ECHO OF HIS CALL

बुलावे की प्रतिध्वनि

HINDI

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAN

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor: Dorothy S. Thomas

Vol. XXVII YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, FEBRUARY 2022 No.3

पवित्र बाइबल!

इन वचनों को याद करें परमेश्वर की स्तुति हो

भजन 20:1–9

1 संकट के दिन यहोवा तेरी सुन ले! याकूब के परमेश्वर का नाम तुझे ऊँचे स्थान पर नियुक्त करे!
2 वह पवित्रस्थान से तेरी सहायता करे, और सिय्योन से तुझे सम्भाल ले!
3 वह तेरे सब अन्नबलियों को स्मरण करे, और तेरे होमबलि को ग्रहण करे।
4 वह तेरे मन की इच्छा पूरी करे, और तेरी सारी युक्ति को सफल करे!
5 तब हम तेरे उद्धार के कारण ऊँचे स्वर से हर्षित होकर गाएँगे, और अपने परमेश्वर के नाम से झण्डे खड़े करेंगे। यहोवा तुझे मुँह माँगा वरदान दे!
6 अब मैं जान गया कि यहोवा अपने अभिषिक्त का उद्धार करता है; वह अपने दाहिने हाथ के उद्धार करनेवाले पराक्रम से अपने पवित्र स्वर्ग पर से सुनकर उसे उत्तर देगा।
7 किसी को रथों का, और किसी को घोड़ों का भरोसा है, परन्तु हम तो अपने परमेश्वर यहोवा ही का नाम लेंगे।
8 वे तो झुक गए और गिर पड़े: परन्तु हम उठे और सीधे खड़े हैं।
9 हे यहोवा, बचा ले; जिस दिन हम पुकारें, तो महाराजा हमें उत्तर दे।

यीशु मसीह की वंशावली केवल दाऊद और अब्राहम से पहले क्यों आती है?

(Why the genealogy of Jesus Christ Precedes Abraham and David only ?)

भाई एम. पौलराज

मत्ती १:१ का वचन इस प्रकार कहता है, यीशु की वंशावली में अब्राहम से लेकर यूसुफ तक ४२ पीढ़ियां हैं। इस प्रकार, ४२ पीढ़ियों में से परमेश्वर ने केवल ३ पीढ़ियों को चुना है अब्राहम दाऊद और यीशु मसीह।

अतः यह अनिवार्य है कि उपर्युक्त तीन नामों का अत्यधिक महत्व होगा। जी हां, ये नाम विशेष है और भी महत्व रखते हैं! हम विस्तारपूर्वक इन तीन महान नामों को देखेंगे अब्राहम, दाऊद और यीशु।

अब्राहम!

अब्राहम तेरह का पुत्र था जो कसदियों के देश के मेसोपोटामिया का रहने वाला था। पूरा देश मूर्तिपूजकों से भरा हुआ था। फिर भी परमेश्वर ने एक धर्म व्यक्ति अब्राहम को चुना और उसे दूर देश में बाहर बुला लें आया। परमेश्वर ने उत्सव वचन दिया कि वह उसे महान बनाएगा और उसके द्वारा पृथ्वी के सारे परिवारों को आशीषित करेगा (उत्पत्ति १२:१-३; प्रेरितों के काम ७:२-४)। भले ही यह बुलेट अब्राहम के लिए थी फिर भी उसका पिता अब्राम उसकी पत्नी साराय और अपने पोते लूत को लेकर निकल पड़ा और वे कनान देश के मार्ग पर क सदियों के देश ऊर में आकर बस गए। वे ३० से ४० वर्षों तक हारान में रहे और उन्होंने धन दौलत हासिल की। जब तेरह की मृत्यु हो गई तब परमेश्वर ने अब्राम को फिर बुलाया (उत्पत्ति १२:१-३)। फिर भी अब्राहम अपनी पत्नी के साथ लूत को भी ले गया! यह परमेश्वर द्वारा दी गई बुला हट से थोड़ा हट जाना है। परमेश्वर अब्राम से प्रसन्न नहीं था। यदि परिवार दूसरे लोगों के साथ मिला हो तो परमेश्वर परिवार को आशीष नहीं दे सकता। यहां पर ध्यान बंट जाएगा। चाहे परिवार हो या कारोबार। परमेश्वर परिवार में अन्य लोगों को शामिल नहीं करता। फिर भी परमेश्वर अब्राम के साथ था। परिवार में कनान देश में प्रवेश किया और वे शेकेम में बस गए। वहां से वह बेतेल को गया और वहां उसने अपना तम्बू गाड़ा। परमेश्वर ने अब्राम को दर्शन दिया और उससे कहा कि वह उसके वंश को कनानियों का देश देगा (उत्पत्ति १२:७)।

अब्राम पशुओं, सोना और चांदी से सम्पन्न था। जैसे जैसे दिन बीतते गए, अब्राम और लूत

पृष्ठ 3 में क्रमशः...

ECHO OF HIS CALL - (1969-2019 GOLDEN JUBILEE YEAR)

from your dearly beloved brother...

"...मैं अपनी प्रजा इस्राएल के बन्दियों को लौटा ले आऊँगा..." (आमोस 9:14)

OUR MISSION POLICY

We should expound and teach the contemporary generation the undiluted teachings of the ancient and early Apostles. It is the need of the hour.

CHIEF EDITOR
Angeline Selvakumari Henry, M.A., M.Ed.

MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.

ADMINISTRATION
Bro. N. Prakasam, M.A., General Manager

EDITORIAL BOARD
Sis. Jesy Veena Sam
Bro. M. Paulraj, M.A., B.Ed.
Sis. Serena Bevin, M.A., M.Phil., B.Ed.

EDITOR, PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+91) 98410 71852, 95661 31858

E.mail ID
sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in

WEBSITES
www.echoofhiscall.org
www.stpaulsmatriculation.com

मसीह में प्रिय भाई और बहन,

हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता प्रभु यीशु मसीह का नाम महिमा पाए। इस मासिक पत्रिका, **एको ऑफ हिज़ कॉल** के माध्यम से उसके नाम में आपका अभिवादन करते हुए हमें प्रसन्नता होती है।

परमेश्वर ने दिसम्बर 2021 और जनवरी 2022 के दौरान हमारी सारी गतिविधियों में आशीष प्रदान की। हमारी क्रिसमस और नए वर्ष की सभाएं, सण्डे स्कूल के बच्चों की सेवकाई, हिन्दी भाषा में **नहेम्याह बाइबल कॉलेज** के ऑनलाईन पाठ्यक्रम सभी अद्भुत रहे।

हमारा प्रभु हमारे ऑनलाईन पाठ्यक्रम में आशीष दे रहा है जिसका आरम्भ 3 जनवरी 2022 को हुआ था। कई विद्यार्थी इस ऑनलाईन पाठ्यक्रम में दाखिल हुए हैं और उसे उत्तर भारत के हिन्दी भाषी विद्यार्थियों के लाभ के लिए संचालित किया जा रहा है, जो नियमित पाठ्यक्रमों के माध्यमों से अध्ययन नहीं कर पाते।

परमेश्वर ने हमारे सण्डे स्कूल बच्चों की सेवकाई के आयोजन के लिए अगुवों की एक अद्भुत टीम दी है। नीचे इस टीम का चित्र दिया गया है। कृपया उन्हें प्रार्थना में उठाकर रखें।

हम विशेषकर हमारे प्रिय पासबान एम. मुथ्थू, **नहेम्याह बाइबल कॉलेज के अध्यक्ष** और **एको ऑफ हिज़ कॉल** के सहायक सम्पादक, भाई एम. पॉल राज के स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करते हैं कि परमेश्वर का विशेष स्पर्श उन्हें प्राप्त हो और वे जल्द चंगाई को प्राप्त करें। वे हमारी विभिन्न सेवकाइयों के स्तम्भ हैं।

हम आपके लिए प्रार्थना करते हैं और अपेक्षा करते हैं कि आपके जीवन में बड़ी बातें घटित हों। परमेश्वर आपको आशीष दे।

मसीह यीशु में आपका सेवक,

पास्टर एस. सैम सिल्वा राज और एलेक्स सैमसन सैम

(+91) 98412 71858 / 98410 71858, E.mail : samselvaraj333@gmail.com

पृष्ठ 1 से आगे...

को बड़ी संख्या में जानवरों की आशीष प्राप्त हुई और उनके चरवाहों में अक्सर झगड़े हुआ करते थे। इसलिए, उन्होंने शांति के साथ अलग होने का निर्णय लिया। लूत ने यर्दन के मैदान, सदोम और अमोरा के उपजाऊ देश का चुनाव किया।

कुछ पांच राजा सदोम और अमोरा के राजाओं के खिलाफ उठ खड़े हुए और उन्होंने लूत, उसकी पत्नी और उसकी वस्तुओं के साथ सबकुछ लूट लिया। जब अब्राम ने यह सुना कि लूत को कैद कर दिया गया है, तब वह अपने ३१८ प्रशिक्षित हथियारबंद सेवकों को लेकर उनके खिलाफ गया और उसने दान तक उनका पीछा किया। अब्राम और उसकी सेना रात के समय उनके पीछे गई और उन्होंने उन पर हमला कर दिया और दमिश्क तक उनका पीछा किया और लूत समेत सारे स्त्री और पुरुषों और सामानों को वापस पा लिया।

लौटते समय, शालोम के राजा और परमप्रधान के महायाजक मलिकिसिदक अब्राम के लिए रोटी और जल लेकर आया और उसने उसे आशीष दी। अब्राम ने उसे सारी वस्तुओं का दसवांश दिया (उत्पत्ति १४:१६-२०)।

मलिकिसिदक कौन था?

मलिकीसिदक शालोम का राजा और परमप्रधान परमेश्वर का महायाजक था। अब्राम ने उसे सारी वस्तुओं का दसवांश दिया। उसके नाम का अनुवाद भी धार्मिकता का राजा और उसके बाद शालोम के राजा अर्थात शांति के राजा के रूप में किया गया है। उसका न तो पिता है, न तो माता, न वंशावली, न उसके जीवन के दिनों का आरम्भ है और न अंत, परंतु वह परमेश्वर के पुत्र के समान है। वह सदा के लिए याजक रहता है। इस प्रकार वह धार्मिकता का राजा और परमेश्वर द्वारा बनाया गया शांति का राजा है। अर्थात उसे परमेश्वर द्वारा चुने गए महान जन अब्राम को आशीष देने के लिए ठहराया गया था। भले ही अन्य दो, दाऊद और यीशु मसीह ने मलिकिसिदक द्वारा आशीष नहीं पाई, फिर भी उन्होंने राजा और याजक के रूप में दोनों कार्य किए, जो कि एक अनोखा गुण है।

राजा और याजक!

परमेश्वर के राज्य में, परमेश्वर हमें परमेश्वर और पिता के लिए राजा और याजक बनाएगा (प्रकाशितवाक्य १:६)। यह कैसा विशेषाधिकार हम पाएंगे?

राजा दाऊद ने राजा और याजक की ज़िम्मेदारियां पूरी की। राजा होकर भी वह वाचा का संदूक यरूशलेम को ले आया। उस समय उसने संदूक के सामने नृत्य किया, जबकि याजक उसे अपने कांधों पर उठाकर चल रहे थे। राजा दाऊद ने अपने राजसी वस्त्र छोड़े और उसने सन का एपोद पहना इस प्रकार उसने अपने आपको प्रभु के सामने नम्र कर दिया। एपोद याजक का होता है। दाऊद ने होमबलि और मेलबलि चढ़ाए। फिर संदूक को यरूशलेम के दाऊद द्वारा बनाए गए यरूशलेम के मिलाप के तम्बू के भीतर रखा गया (२ शमुएल ६:१३-१५)। हालांकि दाऊद न राजा और याजक की ज़िम्मेदारियां पूरी की फिर भी उसके देश में कभी शांति नहीं रही क्योंकि वह हमेशा युद्ध में व्यस्त रहा। वस्तुतः, प्रभु ने दाऊद को उसके लिए मंदिर बनाने की अनुमति नहीं दी, क्योंकि उसने युद्ध में बहुत खून बहाया था।

प्रभु यीशु मसीह

जकर्याह ६:६ में, हम यीशु को राजा के रूप में देखते हैं और इब्रानियों ७:१६,१७ में हम यीशु को महायाजक के रूप में देखते हैं। हज़ार वर्षों के काल में वह राजा और याजक दोनों कर्तव्यों को पूरा करेगा। राजा दाऊद ने भविष्यद्वाणी करते हुए कहा, "यहोवा ने शपथ खाई और न पछताएगा : "तू मेल्कीसेदेक की रीति पर सर्वदा का याजक है" (भजन ११०:४)।

नई वाचा की स्थापना

जब अब्राम ९९ वर्ष का हुआ, तब प्रभु ने उसे दर्शन देकर कहा, "मैं सर्वशक्तिमान परमेश्वर हूं, मेरे सामने चल और निर्दोष रह।" ये वास्तव में अब्राम को एक चेतावनी थी जिसने अपने प्रतिज्ञात पुत्र के लिए इंतज़ार करने के समय में सारी बातों में परमेश्वर की आज्ञा नहीं मानी थी। अब्राम ने निम्नलिखित बातों में कर्तव्य त्याग किया था। इसलिए प्रतिज्ञा के पूरे होने में विलम्ब हुआ।

(१) जब कनान देश में अकाल पड़ा, तब अब्राम सारा और लूत को लेकर मिस्र देश को गया। वहां उसने अपनी पत्नी से कहा कि वह उसे भाई कहे क्योंकि उसे मिस्रियों का डर था कि वे उसे उससे छिन लेंगे क्योंकि वह बहुत सुंदर थी। साराय को देखकर, फिरौन के राजकुमार उसे फिरौन के पास ले गए। वह कुछ समय तक राजमहल में रही। फिरौन ने अब्राम का अच्छी तरह से ध्यान रखा और उसे भेड़-बकरियां और सेवकों के रूप में स्त्री और पुरुष दिए। उन सेवकों में से हाजिरा एक थी। प्रभु ने फिरौन पर पीड़ा लाई। फिरौन को अपने पाप का अहसास हुआ और उसने अब्राम और

TAX EXEMPTION

Donations by any individual or organization from India to **Echo of His Call Educational Trust** are eligible for Income Tax exemption under Section 80G of the Income Tax Act. Official receipts will be issued for this purpose. Please make your Demand Drafts / Cheques / M.O. for such donations in favour of **Echo of His Call Educational Trust** and send to us.

Account Name	:	**ECHO OF HIS CALL EDUCATIONAL TRUST**
Account Number	:	**1023 2923 805**
Bank Name	:	**STATE BANK OF INDIA**
Branch	:	**TRIPLICANE, CHENNAI - 600 005**
IFSC Code	:	**SBIN 0000249**
SWIFT Code	:	**SBI NIN BB 455**

उसके लोगों को निकाल दिया। उसने साराय को वापस कर दिया। यहां पर, अब्राम ने मिस्र जाने से पहले परमेश्वर से सलाह नहीं ली।

(२) फिर प्रभु ने अब्राम को दर्शन दिया और कहा कि वह उसे आशीष देगा। इस पर अब्राम ने कहा कि उसने उसे कोई संतान नहीं दी है, और उसका दास अलिएज़र उसके सामने था! और प्रभु ने उससे कहा, कि वह उसका वारिस नहीं बनेगा और जो उसके शरीर से उत्पन्न होगा, वही उसका वारिस होगा। प्रभु ने उसे बाहर बुलाया और कहा कि वह आकाश के तारों को देखे और उसकी संतान वैसी ही होगी (उत्पत्ति १५:१-५)। यह प्रतिज्ञा उसे तब प्राप्त हुई जब वह ७५ वर्ष का था।

(३) जब प्रतिज्ञात पुत्र नहीं आ रहा था, तब यह दम्पत्ति अपना धीरज खो बैठे। साराय ने अपनी दासी हाजिरा को लिया और उसे अब्राम को दे दिया। उसने उसका विरोध नहीं किया! और ८६ वर्ष की उम्र में हाजिरा से उसे एक बेटा उत्पन्न हुआ, इश्माएल।

परमेश्वर प्रसन्न नहीं था। जब तक वह ९९ वर्ष का नहीं हुआ तब तक उसने उससे बात नहीं की। उन दिनों में एक और लड़की से ब्याह करना पाप नहीं था। परंतु यहां पर नायक अब्राम था, जिसे परमेश्वर ने एक ऊंचे काम के लिए चुना था। यहां पर अब्राम ने परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन किया।

इसलिए, परमेश्वर चाहता था कि अब्राम उसके सामने निर्दोष रहे। परमेश्वर ने उसके साथ वाचा बांधी और उसे आज्ञा दी कि उसके परिवार में उत्पन्न सारे लड़कों का और उनके संतानों का उनके जन्म के आठवें दिन खतना किया जाए। इस वाचा की स्थापना दर्द के साथ हुई। इस वाचा के अनुसार, परमेश्वर उन्हें अत्यंत बढ़ाने वाला था। प्रभु ने अब्राम का नाम बदलकर अब्राहम रख दिया जिसका मतलब है कई राष्ट्रों का पिता। साराय को सारा कहा जाएगा क्योंकि वह राष्ट्रों की माता होगी और उसमें से जातियों के राजा उत्पन्न होंगे (उत्पत्ति १७:१-१६)। प्रभु के वायदे के अनुसार, सारा ने एक बेटे को जन्म दिया और उसका नाम इसहाक रखा गया। उस समय, अब्राहम १०० वर्ष का था और सारा ९० वर्ष की थी! परमेश्वर के लिए कोई बात असम्भव नहीं है!

सबसे बड़ी परीक्षा!

अब परमेश्वर अब्राहम की परीक्षा लेना चाहता था। प्रभु ने उससे कहा, "अपने पुत्र को अर्थात् अपने एकलौते पुत्र इसहाक को, जिस से तू प्रेम रखता है, संग लेकर मोरिय्याह देश में चला जा; और वहाँ उसको एक पहाड़ के ऊपर जो मैं तुझे बताऊँगा होमबलि करके चढ़ा।" यह सुनकर मानो अब्राहम पर बिजली गिरी होगी। लेकिन उसे विश्वास था कि जिस परमेश्वर ने उसे बेटा दिया था उसे इस प्रकार निःसंतान नहीं छोड़ेगा।

अब्राहम ने सुबह अपनी यात्रा शुरू की। उसने अपने बेटे को अपने साथ लिया और कुछ लकड़ी और आग ली ताकि अपने बेटे को बलिदान करके चढ़ा सके। पिता और पुत्र पहाड़ की चोटी पर चढ़ गए। इसहाक ने अपने पिता से पूछा, "होमबलि के लिए मेम्ना कहां है?" अब्राहम ने कहा, "मेरे बेटे, परमेश्वर खुद ही होमबलि के लिए मेम्ने का प्रयोजन करेगा।"

वेदी तैयार की गई। अब्राहम ने अपने बेटे को बांधा और उसे वेदी पर रखा! अब्राहम ने अपना हाथ उठाया और अपने बेटे को मारने के लिए छूरा उठाया। प्रभु के दूत ने उसे पुकारा, "हे अब्राहम, हे अब्राहम! उस लड़के पर हाथ मत बढ़ा, और न उससे कुछ कर; क्योंकि तू ने जो मुझ से अपने पुत्र, वरन् अपने एकलौते पुत्र को भी नहीं रख छोड़ा।" बाइबल कहती है कि जब परमेश्वर ने उसका बेटा मांगा, तब उसने "...उसने मान लिया, कि परमेश्वर सामर्थी है कि उसे मरे हुओं में से जिलाए; अतः उन्हीं में से दृष्टान्त की रीति पर वह उसे फिर मिला" (इब्रानियों ११:१७-१९)। अब्राहम

पृष्ठ 6 में क्रमशः...

नहेम्याह बाइबल कॉलेज
RESIDENTIAL / EVENING COLLEGE
Velachery, Chepauk & Santhoshapuram, Chennai.
माध्यमः हिन्दी/तमिल
सदस्यता के लिए पंजीकृत उम्मीदवार - ATA
सुविख्यात अंतर्राष्ट्रीय मसीही अगुवे तथा पिछले 53 वर्षों से सेवारत वरिष्ठ पासवान
सर्टिफिकेट इन थियोलॉजी – 1 साल
डिप्लोमा ऑफ थियोलॉजी – 2 साल
योग्यता 10 वी या अधिक
जल्दी करें!
Contact : The Chairman, Nehemiah Bible College.
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA.
Phone : (+91-44) 2852 8282, Cell : (+91) 98410 71852 / 95661 31858
E.mail : sam@echoofhiscall.org / Website : www.echoofhiscall.org
★ ऑनलाइन कक्षाएं उपलब्ध हैं ★

GREAT COMMISSION PARTNERS
ECHO OF HIS CALL MINISTRIES SINCE 1969

महान आदेश के भागी

✻ भार उठना (गलातियों ६:२), ✻ सहायता करना (रोमियों १२:१३) और ✻ चमकाना (२ तीमुथियुस १:६)

स्तुति और प्रार्थना निवेदन

१६ फरवरी २०२२ से १८ मार्च २०२२ तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

स्तुति विषय

फरवरी 19 परमेश्वर ने हमारे मुख्य कलीसिया को मिशन की मानसिकता रखने वाले सदस्यों के द्वारा आशीषित किया।

फरवरी 20 : 1969 से मासिक पत्रिका की सेवकाई के प्रति हमारे सर्मपण पर परमेश्वर ने बहुतायत की आशीष दी इसलिए उसका धन्यवाद करें।

फरवरी 21 : हमारे **बाइबल कोर** और **ईश्वरविज्ञान पाठ्यक्रम** के लिए नए विद्यार्थी देने के लिए परमेश्वर का धन्यवाद करें।

फरवरी 22 : हमारे **एको ऑफ हिज़ कॉल** के सहायक सम्पादकों और उनके परिवार के लिए परमेश्वर का धन्यवाद हो।

फरवरी 23 : हमारे **सेंट पॉल मैट्रिक्युलेशन स्कूल** के प्राधानाचार्य, प्रिन्सिपल और अन्य कर्मचारियों के लिए हमारे परमेश्वर की स्तुति हो।

फरवरी 24 : हमारे प्रार्थना सहभागियों, शुल्क सहभागियों, विश्वास सहभागियों, आजीवन सहभागियों और महान आदेश सहभागियों तथा उनके परिवारों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

फरवरी 25 : हमारे कार्यकर्ताओं पर परमेश्वर ने बहुतायत की आशीष की वर्षा की।

फरवरी 26 : पासबानों और सारी कलीसिया के सदस्यों के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

फरवरी 27 : परमेश्वर की स्तुति करें कि हमारे सुसमाचार छापखाने में उसने हमें 16 भाषाओं में **एको ऑफ हिज़ कॉल** पत्रिका का प्रकाशन करने हेतु सहायता की।

फरवरी 28 : परमेश्वर की स्तुति करें कि पिछले माह उसने हमारी ज़रूरतों को पूरा किया।

मार्च 1 : कुशल कर्मचारियों के साथ हमारे **सुसमाचार छापखाने** और उसके लगातार संचालन के लिए।

मार्च 2 : हमारे हिन्दी ऑनलाईन ईश्वरविज्ञान पाठ्यक्रमों पर परमेश्वर की आशीष के लिए उसका धन्यवाद करें।

मार्च 3 : : हमारे वरिष्ठ पासबान और उनके परिवार के सदस्यों के प्रति उसकी दया और सुरक्षा के लिए परमेश्वर का धन्यवाद हो।

प्रार्थना विषय

मार्च 4 : सभी मसीही संस्थाओं की आशीष और सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।

मार्च 5 : सभी राष्ट्रों की एकता और शांति के लिए प्रार्थना करें।

मार्च 6 : हमारे कर्मचारी सदस्यों के स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें।

मार्च 7 : परमेश्वर से प्रार्थना करें कि उसने भारत के अनपहुंचे स्थानों में सुसमाचार फैलाने हेतु हमें योग्य बनाया।

मार्च 8 : हमारे सहभागियों और राज्य समन्वयकों के लिए प्रार्थना करें।

मार्च 9 : अंग्रेजी सहायक सम्पादक भाई एम. पॉल राज के स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें।

मार्च 10 : हमारी सेवकाई की गतिविधियों के लिए प्रार्थना करें।

मार्च 11 : प्रार्थना करें कि संसार के सभी स्त्रियों और बच्चों की रक्षा हो।

मार्च 12 : इस माह परमेश्वर हमारी सारी ज़रूरतों को पूरा करे।

मार्च 13 : परमेश्वर की दया के लिए प्रार्थना करें कि वह संसार से करोना वायरस को पूरी रीति से हटा दे।

मार्च 14 : इस नए वर्ष 2022 में परमेश्वर की भरपूर दया के लिए प्रार्थना करें।

मार्च 15 : हमारे देश पर और उसके आर्थिक विकास पर परमेश्वर की आशीषों के लिए प्रार्थना करें।

फरवरी 16 : समस्त संसार के लोगों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।

मार्च 17 : हम में से हर एक ओमिक्रॉन संक्रमण से रक्षा करने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें।

मार्च 18 : परमेश्वर हमारे **पासबान एस. सॅम सेल्वाराज** और उनके परिवार पर परमेश्वर की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।

पृष्ठ 4 से आगे...

ने परमेश्वर पर विश्वास किया और यह उसके लिए धार्मिकता गिना गया (गलातियों ३:६)। और परमेश्वर ने अब्राहम को सारे विश्वासियों का पिता बनाया।

परमेश्वर द्वारा रचा गया मनुष्य आदम उसके अनाज्ञाकारिता के कारण चूक गया। नूह और उसके संतानों की पीढ़ी चूक गई (नूह धर्मी था)। इसलिए परमेश्वर ने कसदियों में से एक व्यक्ति को चुना कि वह पीढ़ी दर पीढ़ी उसकी सेवा करने के लिए एक भक्तिमान पीढ़ी तैयार करे (भजन २२:३०)। इसलिए अब्राहम को राजा दाऊद और यीशु मसीह के साथ रखा गया! एक ऊंचे दर्जे का व्यक्ति!

राजा दाऊद!

परमेश्वर इस्राएली लोगों का राजा था और शमुएल आखरी न्यायाधीश और भविष्यद्वक्ता। इस्राएली लोग शमुएल के पास आए और उससे राजा की मांग करने लगे कि वह उनकी अगुवाई करे और दूसरे राष्ट्रों के साथ उनसे युद्ध लड़े। शमुएल खुश नहीं था। प्रभु ने शमुएल से पूछा, "वे लोग जो कुछ तुझ से कहें उसे मान ले; क्योंकि उन्होंने तुझ को नहीं परन्तु मुझी को निकम्मा जाना है कि मैं उनका राजा न रहूँ" (१ शमुएल ८:७)। इसलिए, बिन्यामीन वंश के किश के बेटे शौल को इस्राएल के राजा के रूप में चुना गया।

प्रभु ने शमुएल से बातें की और शाऊल से कहा कि वह अमालेकियों को दण्ड दे जो इस्राएलियों का उस समय घात लगाकर बैठे थे जब वे मिस्र से कनान देश आए थे। परमेश्वर चाहता था कि शाऊल जो कुछ उनके पास था उसे पूरे तरह से नाश करे और कुछ भी न रख छोड़े। शाऊल और उसकी सेना ने अमालेकियों पर हमला किया और उनके राजा अगाग को जीवित ले आए और सारे लोगों को पूरी तरह से नाश कर दिया। उन्होंने अगाग को और उत्तर भेड़ों, बैलों और मोटे ताजे पुशओं, मेम्नों और जो कुछ अच्छा था वह सब बचा लिया। उन्होंने जो बेकार और तुच्छ था उसे नाश कर दिया।

प्रभु का वचन

शमुएल के पास पहुंचा और प्रभु ने कहा, ""मैं शाऊल को राजा बना के पछताता हूँ; क्योंकि उसने मेरे पीछे चलना छोड़ दिया, और मेरी आज्ञाओं का पालन नहीं किया" (१ शमुएल १५:११)। जब शाऊल ने शमुएल को देखा, तब उसने कहा कि उसने प्रभु की आज्ञा का पालन किया है। शमुएल ने कहा, "फिर भेड़-बकरियों का यह मिमियाना, और गाय-बैलों का यह रम्भाना जो मुझे सुनाई देता है, यह क्यों हो रहा है?" (१ शमुएल १५:१४)। शाऊल ने उससे कहा कि वह उन्हें प्रभु को बलिदान करने के लिए ले आया था। परंतु शमुएल ने कहा, "सुन, मानना तो बलि चढ़ाने से, और कान लगाना मेढ़ों की चर्बी से उत्तम है। देख, बलवा करना और भावी कहनेवालों से पूछना एक ही समान पाप है, और हठ करना मूरतों और गृहदेवताओं की पूजा के तुल्य है। तू ने जो यहोवा की बात को तुच्छ जाना, इसलिये उसने तुझे राजा होने के लिये तुच्छ जाना है" (१ शमुएल १५:२२,२३)।

अभिषिक्त राजा!

शमुएल शाऊल के लिए विलाप कर रहा था। प्रभु ने शमुएल से पूछा, "तू कब तक उसके विषय विलाप करता रहेगा? अपने सींग में तेल भर कर चल; मैं तुझ को बैतलहमवासी यिशै के पास भेजता हूँ" (१ शमुएल १६:१)। शमुएल बेतलेहेम को गया और उसने चुनाव की प्रक्रिया शुरू की। यिश्शै के आठ बेटे थे और आखरी दाऊद था जो अपने पिता के पशुओं को चरा रहा था। शमुएल पहिले बेटे, एलियाब को देखकर प्रभावित हुआ। परंतु प्रभु ने कहा, "न तो उसके रूप पर दृष्टिकर, और न उसके कद की ऊँचाई पर, क्योंकि मैं ने उसे अयोग्य जाना है; क्योंकि यहोवा का देखना मनुष्य का सा नहीं है; मनुष्य तो बाहर का रूप देखता है, परन्तु यहोवा की दृष्टि मन पर रहती है" (१ शमुएल १६:७)। सातों उसके सामने से गए, परंतु कोई भी चुना न गया। फिर दाऊद को खेत से बुलाया गया। "उसके तो लाली झलकती थी, और उसकी आँखें सुन्दर, और उसका रूप सुडौल था। तब यहोवा ने कहा, "उठकर इस का अभिषेक कर : यही है" (१ शमुएल १६:१२)। शमुएल ने दाऊद को उसके भाई के मध्य अभिषेक किया; और प्रभु का आत्मा उस पर उतर आया। भले ही दाऊद को राजा के रूप में अभिषेक किया गया था, फिर भी शाऊल राजा बना रहा।

दाऊद गोलियत को मारता है!

उन दिनों पलिश्तियों ने इस्राएलियों पर हमला किया सोको और अजेका के बीच डेरा डाला। इस्राएली लोगों ने उसके सामने सेना के रूप में एला में डेरा डाला। जब दो छावनियां एक दूसरे के सामने थी, तब पलिश्तियों की छावनी से ९.७५ फीट ऊंचा पलिश्ती योद्धा गोलियत ने चुनौती दी थी कि उसके खिलाफ लड़ने के लिए वे किसी को भेजें। वह अपने तम्बू से बाहर निकल आया और चालीस दिनों तक सुबह और शाम चुनौती देता रहा।

इस्राएली लोग इस पलिश्ती को चुनौती देने के लिए किसी को आगे भेज न सके। और सभी भयभीत थे। यिशै के तीन बेटे इस्राएली की छावनी में थे। दाऊद उनके पिता के पास से भोजन लाकर उन्हें देता था। दाऊद ने इस पलिश्ती को देखा जो परमेश्वर के लोगों को चुनौती दे रहा था और सभी डरे हुए थे। वह प्रभु के नाम को धिक्कार रहा था। शाऊल ने घोषणा की कि इस पलिश्ती को चुनौती देने वाले को वह अपनी बेटी और सम्पत्ति देगा (१ शमुएल १७:२६)।

पलिश्ती की चुनौती के बारे में बात करने के लिए दाऊद के भाइयों ने उसे डांट लगाई। परंतु दाऊद विचलित नहीं हुआ।

"किसी मनुष्य का मन उसके कारण कच्चा न हो; तेरा दास जाकर उस पलिश्ती से लड़ेगा" (१ शमुएल १७:३२)। उसने यह भी कहा, "तेरे दास ने सिंह और भालू दोनों को मारा है। और वह खतनारहित पलिश्ती उनके समान हो जाएगा, क्योंकि उसने जीवित परमेश्वर की सेना को ललकारा है"

(१ शमुएल १७:३६)। दाऊद को विश्वास था कि वह वह पलिश्ती को पराजित करेगा और शाऊल ने दाऊद से कहा, "जा, यहोवा तेरे साथ रहे।"

शाऊल ने दाऊद को अपने शस्त्र-अस्त्र पहनाए। उसने पहले ही उनका परीक्षण नहीं किया था, इसलिए उसने सब कुछ उतार दिया और नाले के पास जाकर उसने पांच चिकने पत्थर लिए, अपने चरवाहे की झोली में डाले, गोफन ली और गोलियत के पास गया। पलिश्ती गोलियत दाऊद की छोटी कदकाठी के लिए उसका उपहास करने लगा। उसने दाऊद से कहा कि वह उसका मांस आकाश के पक्षियों को और जंगल के पशुओं को देगा। दाऊद ने कहा :

"दाऊद ने पलिश्ती से कहा, तू तो तलवार और भाला और साँग लिये हुए मेरे पास आता है; परन्तु मैं सेनाओं के यहोवा के नाम से तेरे पास आता हूँ, जो इस्राएली सेना का परमेश्वर है, और उसी को तू ने ललकारा है। आज के दिन यहोवा तुझ को मेरे हाथ में कर देगा, और मैं तुझ को मारूँगा, और तेरा सिर तेरे धड़ से अलग करूँगा; इसलिये कि संग्राम तो यहोवा का है, और वही तुम्हें हमारे हाथ में कर देगा" (१ शमुएल १७:४५-४७)।

दाऊद ने एक पत्थर लिया, उसे गोफन में रखा और पलिश्ती के माथे पर दे मारा। पत्थर उसके सिर पर लगा और वह अपने मुंह के बल गिर गया! दाऊद दौड़कर गया, उसने पलिश्ती की तलवार उसके म्यान से खींच ली और उसका सिर धड़ से अलग कर दिया। जब पलिश्तियों ने देखा कि उनका योद्धा गिर चुका है, तो वे भाग गए! यहूदा और इस्राएल के लोगों ने पलिश्तियों का पीछा किया, दाऊद गोलियत का सिर लेकर यरूशलेम को आया।,

यह इस्राएल के लिए विजय और उत्साह का समय था। स्त्रियां इस्राएल के नगरों से नाचती और गाती हुई आईं। उन्होंने कहा :

शाऊल ने हज़ारों को मारा और दाऊद ने दस हज़ारों को।

जलन की वजह से यह सुनकर वह खुश नहीं हुआ। उसने जल्द से जल्द दाऊद से छुटकारा पाने का निर्णय लिया। उस समय से दाऊद की बड़ी प्रशंसा की जाने लगी, वह उसे हजम नहीं कर पा रहा था। दाऊन अपने कुछ साथियों के साथ जान छुड़ाकर भाग निकला और पहाड़ों और गुफाओं में अपने आप को छिपाने लगा। दो अवसरों पर दाऊद शाऊल के बहुत करीब आ पहुंचा ताकि उसे मार सके। लेकिन उसने अपने आप को शाऊल को हानि पहुंचाने से रोक लिया। वह अपने जनों से कहने लगा, "यहोवा न करे कि मैं अपने प्रभु से जो यहोवा का अभिषिक्त है, ऐसा काम करूँ कि उस पर हाथ उठाऊँ, क्योंकि वह यहोवा का अभिषिक्त है" (१ शमुएल २४:६)।

वहां से दाऊद जीप के जंगल में गया। शाऊल के लोगों ने उसका पीछा किया। दाऊल शाऊल के करीब आया। परंतु दाऊद ने अपने लोगों से कहा कि वह प्रभु के अभिषिक्त को हानि न पहुंचाए! अब तक शमुएल मर चुका था और उसे उसके घर रामा में दफन किया गया।

शुनेम में पलिश्ती शाऊल के खिलाफ चलकर आए और उसके बुरे दिन शुरू हो गए। शाऊल अपना भविष्य जानना चाहता था और इसलिए वह एक भावी कहने वाली स्त्री के पास गया। वह बुरे समाचार के साथ वापस आया। युद्ध शुरू हुआ और युद्ध में शाऊल और उसका बेआ मारा गया। दाऊद सिकलग में था।

फिर दाऊद ने प्रभु से पूछा : "क्या मैं यहूदा के किसी नगर को जाऊं?" प्रभु ने उससे कहा कि वह हेब्रोन तक जाए। हेब्रोन में यहूदा के लोग आए और उन्होंने दाऊद को यहूदा के घराने पर राजा बनने के लिए उसका अभिषेक किया! दाऊद उस समय तीस वर्ष का था। बहुत मिन्नते करने के बाद, इस्राएल का घराना भी आकर दाऊद से मिला और उन्होंने वाचा बान्धी। उन्होने दाऊद को पूरे इस्राएल के घराने का राजा स्वीकार किया। दाऊद ने इस्राएल पर ४० वर्षों तक राज्य किया! दाऊन ने उसके लोगों ने यरूशलेम पर हमला किया और उस पर कब्जा कर लिया और उसे पूरे इस्राएल की राजधानी बना दिया।

वस्तुतः दाऊद इस्राएल के राजा के रूप में परमेश्वर का चुनाव था। प्रभु ने लोगों के आग्रह के कारण इस्राएल को अनुमति दी थी कि वे शाऊल को अपना राजा चुने। यह परमेश्वर की इच्छा नहीं थी।

राजा दाऊद के गुण!

(१) दाऊद ने सारी बातों में प्रभु की स्तुति की। उसने परमेश्वर की महिमा के लिए ७३ भजन लिखे।

(२) अबीमेलेक ने उसे फिलिस्तीन में रहने की अनुमति नहीं दी, फिर भी उसने प्रभु की स्तुति की। "मैं हर समय यहोवा को धन्य कहा करूँगा; उसकी स्तुति निरन्तर मेरे मुख से होती रहेगी" (भजन ३४:१)।

(३) वह परमेश्वर के प्रति कृतज्ञ था कि उसने उसे राजा बनाया। "वह उसको बच्चेवाली भेड़ों के पीछे पीछे फिरने से ले आया कि वह उसकी प्रजा याकूब की अर्थात् उसके निज भाग इस्राएल की चरवाही करे। तब उसने खरे मन से उनकी चरवाही की, और अपने हाथ की कुशलता से उनकी अगुवाई की" (भजन ७८:७१,७२)।

(४) प्रभु ने कहा कि दाऊद उसके मन के योग्य व्यक्ति है, जो उसकी इच्छा को पूरा करेगा (प्रे. काम १३:२२)।

(५) दाऊद ने लगभग सभी पड़ोसी देशों को पराजित किया और उन्हें कर देने पर मज़बूर किया। युद्ध में जाने से पहले परमेश्वर की सलाह लेने से वह कभी नहीं चुका। प्रभु ने उसके लिए युद्ध लड़ा।

(६) जवान के रूप में, जब शेर और भालू उसकी भेड़ों को मारने के लिए आए, तब उसने अपने हाथों से शेर और भालू को फाड़ दिया। उसने अपनी जान की परवाह नहीं की। यीशु ने कहा, "मैं अच्छा चरवाह हूं। अच्छा चरवाहा अपनी भेड़ों के लिए अपनी जान देता है।" इस रवैय्ये ने प्रभु को प्रभावित किया कि वह दाऊद को राजा बनाए।

(७) उसने अपनी प्रजा पर ज़िम्मेदारी के साथ राज्य किया और इस्राएल का सबसे उत्तम राजा था। लोग उसके दिनों में खुश थे!

(८) प्रभु ने दाऊद से प्रतिज्ञा की कि उसकी मृत्यु के बाद, प्रभु उसके वंश को उसका सिंहासन देगा, जो उसके शरीर से उत्पन्न होगा और प्रभु उसके राज्य को स्थापित करेगा। वह प्रभु के नाम के लिए एक भवन बनाएगा और प्रभु उसके राज्य का सिंहासन हमेशा के लिए स्थापित करेगा।

(९) फिर भी, दाऊद निर्दोष नहीं था। एक विवाहित स्त्री जो उसके राजमहल के पास रहती थी, हित्ती स्त्री बतशेबा के खिलाफ उसने गंभीर अपराध किया। उसका पति युद्ध पर गया था। दाऊद अपनी छत पर टहल रहा था, और उसने उस स्त्री को स्नान करते हुए देखा। उसकी आंखें उस पर पड़ गई। उसने अपने सेवकों को भेजकर उसे राजमहल में बुलवाया। उसने उसके व्यभिचार किया और उसे वापस भेज दिया। जब उसे पता चला कि वह गर्भवति है, तब दाऊद बैचेन हो गया। और उसने उसके पति से छुटकारा पाना चाहा। उसने कपटपूर्ण पद्धतियों का इस्तेमाल किया। नाथान भविष्यद्वक्ता उसके अपराध का समाचार लेकर उसके पास आया। दाऊद ने अपना अपराध स्वीकार किया, वह रोया और उसने विलाप किया। परंतु राजा को परमेश्वर से दण्ड पाना था, भले ही वह उसके हृदय के करीब था। सज़ा बहुत गम्भीर थी। दाऊद ने अपना पाप कबूल किया और प्रभु से क्षमा मांगी।

राजा दाऊद सभी मानकों से इस्राएल का सबसे बड़ा राजा था। उसके व्यस्त होने के बावजूद भी, वह प्रभु के साथ चला। वह राजा भी था और याजक भी था, भले ही थोड़े समय के लिए जब वह प्रभु के वाचा के संदूक को यरुशलेम को ले गया। यीशु मसीह की वंशावली में दाऊद एक ऊंचे स्थान के योग्य है।

यीशु मसीह!

यीशु मसीह परमेश्वर है। वह त्रिएक परमेश्वर का एक व्यक्ति है। जिसे परमेश्वर का पुत्र कहा गया है। वह मसीह है जो राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु होगा। वह राजा भी है और महायाजक भी है। वह इस जगत में संसार के पापों के लिए मरने हेतु बलिदान के मेम्ने के रूप में आया। बाद में वह राजा और महायाजक के रूप में आएगा, जो मलिकिसिदक के दोनों गुणों को लेता है। वह मलिकिसिदक से श्रेष्ठ है जिसकी न शुरूवात है और न अंत। पुनरुत्थित यीशु अब परमेश्वर के दाहिने हाथ पर विराजमान है (भजन ११०:१)।

सारा अधिकार यीशु को दिया गया है!

पिता ने यीशु को जगत का न्याय करने का अधिकार दिया है (यूहन्ना ५:२२)। यीशु जानता था कि पिता ने सारा अधिकार उसके हाथों में दिया है, और वह परमेश्वर की ओर से आया है और परमेश्वर के पास जाता है। वह अपने चेलों के पैर धोने लगा, और उसने अपने आपको दीन बनाया (यूहन्ना १३:३-५)। पुनरुत्थित यीशु ने अपने चेलों के सामने घोषणा की, "स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है। इसलिये तुम जाओ, सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ; और उन्हें पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दो" (मत्ती २८:१८,१९)।

यीशु फिर से आएगा!

हाबिल के समय से यूहन्ना बपतिस्मा करने वाले तक, सभी धर्मी जन अब सुखलोक में विश्राम करते हैं। नए नियम के समय में इसलिए भी मसीह में मरे हुए भी सुखलोक में विश्राम करते हैं। बाइबल कहती है, "क्योंकि प्रभु आप ही स्वर्ग से उतरेगा; उस समय ललकार, और प्रधान दूत का शब्द सुनाई देगा, और परमेश्वर की तुरही फूँकी जाएगी; और जो मसीह में मरे हैं, वे पहले जी उठेंगे। तब हम जो जीवित और बचे रहेंगे उनके साथ बादलों पर उठा लिये जाएँगे कि हवा में प्रभु से मिलें; और इस रीति से हम सदा प्रभु के साथ रहेंगे" (१ थिस्सल ४:१६,१७)।

पुनरुत्थान के बाद प्रभु यीशु हमें स्वर्ग ले जाएगा!

प्रभु के आने का समय कोई नहीं जानता। केवल पिता जानता है। कुछ लोग कहते हैं कि प्रभु यीशु का आगमन ख्रीष्ट विरोधी के आगमन से पहले होगा। क्योंकि चुने हुओं को उसका और उसके विश्वासघाती राज्य का सामना नहीं करना पड़ेगा। कुछ लोग १ थिस्सल. २:३ का संदर्भ लेते हैं और कहते हैं, "वह दिन न आएगा जब तक धर्म का त्याग न हो ले, और वह पाप का पुरुष अर्थात् विनाश का पुत्र प्रगट न हो।" चाहे जो हो, यीशु धर्मी मृतकों को और जो मसीह में मरे हैं और मसीह में जीते हैं उन्हें लेने के लिए आ रहा है। यह एक बात है। यह जगत के आरम्भ से अर्थात आदम से लेकर छः हज़ार से अधिक वर्षों के समय में प्रभु के आगमन तक प्रभु का फल है।

परमेश्वर के राज्य के लिए प्रभु यीशु मसीह दूसरे राज्य को देख रहा है। ये १२ गोत्रों को १२००० से १,४४००० बन जाते हैं - प्रत्येक के माथे पर स्वर्गदूत द्वारा मुहर लगाई गई है (प्रकाशितवाक्य ७:१-८)। इस सूची में दान का गोत्र नहीं है क्योंकि वे मूर्तिपूजा में बड़े पैमाने पर व्यस्त थे। (उत्पत्ति ४९:१७, न्यायियों १८:३०; १ राजा १२:२८,२९)। परंतु कुल संख्या १२ है, क्योंकि इसमें मनश्शे के गोत्र को शामिल किया गया है। परमेश्वर इस्राएली गोत्रों के १.४४ लाख के साथ विशेष व्यवहार करेगा और हज़ार वर्षों के राज्य में उन्हें बहुगुणित होने का अवसर देगा। ४००० से अधिक वर्षों (२०२१ और २००० से अधिक) में नूह के परिवार के ८ लोग बढ़कर ७०० करोड़ से अधिक हो गए! इसलिए ये १.४४ लाख १००० वर्षों की अवधि में ७०० करोड़ से भी अधिक हो जाएंगे जहां राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु राज्य करेगा। हज़ार वर्षों के राज्य में, जिन्हें पहले से चुना गया वे स्वर्गदूतों के समान मौन निरीक्षक होंगे। इस प्रकार, परमेश्वर के राज्य के लिए, पहले से चुने हुए और १. ४४ लाख में से भविष्य के चुने हुए एक बड़ा दल बनेंगे। परमेश्वर पिता और परमेश्वर पुत्र उस बड़े दल को देखकर आनंदित होंगे।

इसलिए, सभी मानकों से राजा और महायाजक यीशु मलिकिसिदक से अधिक प्रेम और आदर पाएगा। प्रभु हमें इस अद्भुत देश में ले जाए, परमेश्वर के राज्य में (सनातन काल)।

****

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो पढ़े वह समझे" मत्ती 24:15

मेरी पृष्ठभूमि

हमारी मासिक पत्रिका **एको ऑफ हिज़ कॉल** में, परमेश्वर के बहुतायत के अनुग्रह से हम 'खाई से महल तक' नामक लेख कई वर्षों से लिख रहे हैं। वहां मैंने उन बातों के विषय में लिखा जिसमें परमेश्वर मेरी अगुवाई करता रहा है।

पवित्र आत्मा द्वारा भी मुझे प्रेरणा प्राप्त हुई कि मैं एक पुस्तक लिखूं जिसमें उन सारी बातों को लिखूं जिनके द्वारा प्रभु ने मेरी अगुवाई की है और मेरे जीवन के आरम्भ से मुझे उठाया है। मेरे बीमार रहने पर और अन्य कई अवसरों पर मैंने परमेश्वर से शपथ ली थी, और मेरे कुछ वाचकों की गहरी इच्छाओं ने मुझे इस पुस्तक के लेखन के लिए प्रेरित किया।

इस पुस्तक के लेखन में कई वर्षों से विलम्ब होता रहा है। अनपेक्षित तौर पर ५ दिसम्बर २०२१ को, उस रविवार की शाम 'मित्र रविवार' नामक कार्यक्रम का हमने आयोजन किया था उसी दिन मेरे बेटे पास्टर एलेक्स सैमसन सेम का जन्मदिन भी था। उस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद रात करीब १२ बजे मैं सोने के लिए गया। पवित्र आत्मा मेरी आंतरिक भावना और स्वप्नों के साथ करीब तीन घण्टों तक व्यवहार करता रहा।

प्रभु ने तीन बजे सुबह मुझे नींद से जगाया और मैं इस पर काम करने लगा। प्रभु ने निम्नलिखित वचन मेरी आत्मिक आंखों के सामने लाया :

"जब वह अकेला था, तब ही से मैं ने उसको बुलाया और आशीष दी और बढ़ा दिया।" (यशायाह ५१:२)।

उसने मुझे विवश किया कि मैं बाइबल, नोटबुक और पेन लूं। मैंने घुटने टेके और कहा, "प्रिय पिता! मैं आपकी आज्ञा मानता हूं और मेरी सच्ची जीवन कथा लिखने के लिए अपने आपको अधीन करता हूं। कृपया आपके अनुग्रह से इस पुस्तक के लेखन के पूरे होने तक और कई भाषाओं में उसका प्रकाशन होने तक मेरी रक्षा कीजिए। प्रभु ने मुझे इस कार्य का आरम्भ करने हेतु विश्वास प्रदान किया।

मेरे पास मेरी बचपन की तस्वीरें नहीं हैं। इसलिए, प्रभु ने मुझे प्रेरित किया कि मैं मेरे दफ्तर में काम करने वाली डेज़ी रानी से कहूं कि वह रेखाचित्र तैयार करे। वह भी ऐसे रेखाचित्र तैयार करने हेतु मेरी सहायता करने आगे आई।

मैंने इन परिस्थितियों में इस पुस्तक का लेखन आरम्भ किया है।

मेरा बचपन

मेरी मां रोज़लेट कन्याकुमारी जिले के नेय्यूर में स्थित नेल्लारेक्कोनम से आती है, यह भारत का आखिरी दक्षिण कोना है। मेरे परनाना मरथान्दन अत्यंत भक्तिमान हिन्दू थे। उनका बेटा जो मेरे नाना थे, नारायणन भी भक्तिमान हिन्दू थे। जैसे जैसे दिन बितते गए, वे चर्च ऑफ साऊथ इंडिया की सेवकाई के द्वारा मसीही बन गए। मेरे नाना का नाम बदलकर नथानिएल रख दिया गया। उन्होंने ज्ञानाप्पु नामक स्त्री से ब्याह कर लिया जो कोलेचेल-उदयरविलई चर्च ऑफ साऊथ इंडिया से थी। मेरी मां रोज़लेट उनकी पहली बेटी थी।

मेरे पिता का नाम सेल्वादास है और उनके पिता (मेरे दादा), सैम्युएल भी नेल्लारेकोन्नम, चर्च ऑफ साऊथ इंडिया के सदस्य थे, जो नेय्युर में है। मेरे पिता की मां मुथाम्मल थी जो पलियाड़ी से आती थी और वह विश्वासी थी। मेरे दादा सैम्युएल नेय्युर चर्च ऑफ साऊथ इंडिया के एक सुविख्यात अस्पताल में कम्पाऊंडर (मेल नर्स) थे। उन्हें युरोपियन डॉक्टर सामेरवेल के साथ काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस डॉक्टर ने विश्व के सबसे ऊंची मांऊट एवरेस्ट चोटी पर चढ़ने का रिकार्ड बनाया था। मेरे दादा अपनी मेडिकल

ऍको ऑफ हिज़ कॉल पत्राचार पाठ्यक्रम केवल भारत में उम्मीदवार के लिए

1. बाइबलकोर

हम नए मसीहियों और गैर–मसीहियों के लिए बाइबल के बुनियादी सत्य पर पत्राचार पाठ्यक्रम प्रस्तुत करते हैं अंग्रेजी–57 पृष्ठ, हिन्दी–76 पृष्ठ, और तमिल–96 पृष्ठ। आपको एक पाठ्यक्रम पुस्तक मिलेगी जिसका शीर्षक है नया जीवन – आपके लिए! इस कोर्स के पूरा होने के बाद आपको ***आपके लिए नया जीवन*** शीर्षक युक्त पाठ्यक्रम की एक पुस्तक प्राप्त होगी।

2. ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम

ईश्वरविज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम नामक एडवान्स्ड डिस्टन्स एज्युकेशन पासबानों, सुसमाचार प्रचारकों और मसीही अगुवों के लिए भी उपलब्ध है जिन्हें परमेश्वर की सेवा के लिए बोझ है– अंग्रेज़ी 537 पृ. और तमिल 652 पृ. ! शुल्क रु. 1000/– लिया जाएगा, 149 अध्यायों की सात पुस्तकें दी जाएगी। सर्टिफिकेट इन मिनिस्ट्री दिया जाएगा। परमेश्वर आपको आशीष दे!

अधिक जानकारी के लिए आज ही सम्पर्क करें।

The Chairman, Nehemiah Bible College,
Echo of His Call, Post Box 2957
CHEPAUK, CHENNAI - 600 005.
Ph.: (044) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766,
Cell : 98410 71852, 95661 31858
E.mail : biblecor@yahoo.co.in

RNI.No.63656/95, Postal Regn.No.TN/CH/(C)/202/21-23 WPP.No.TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23

सेवा को परमेश्वर की सेवकाई समझते थे। और अपने बच्चों के सामने और कलीसिया के सामने उन्होंने एक उदाहरण बनकर जीवन बिताया। मेरे दादा-दादी और नाना-नानी ने मेरे जीवन में एक मज़बूत आत्मिक बुनियाद बनाई।

(शेष अगले अंक में)

***

OUR BANK DETAILS:

1. Bank : State Bank of India

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **S. Sam Selva Raj**
A/C No. : **1023 2934 679**
IFSC : **SBIN 00 00 249**
SWIFT CODE : **SBI NIN BB 455**

2. Bank : ICICI Bank

Branch : **Anna Salai, Chennai-6**
Name : **Echo of His Call**
A/C No. : **6038 0502 2319**
IFSC : **ICIC 000 6038**

3. Bank : State Bank of India
(This Account is for Tax Exemption for Indians only)

Branch : **Triplicane, Chennai-5**
Name : **Echo of His Call Educational Trust**
A/C No. : **1023 2923 805**
IFSC : **SBIN 00 00 249**

Google Pay: 98410 71858
PayPal : SAM SELVA RAJ
*****
E.mail : sam@echoofhiscall.org

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/- आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सक्ते हैं।

आपके पत्र, प्रार्थना अनुरोध और आपकी आर्थिक सहायता (मनी ऑर्डर, चेक या डिमांड ड्राफ्ट, एनईएफटी, पेपॅल को(Sam Selva Raj, sam@echoofhiscall.org) PhonePe (98410 71858), Gpay (98410 71858), Western Union, MoneyGram, etc.) कृपया निम्नलिखित पते पर भेजी जा सकती है।

कृपया अपना **लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता** आवश्यक सुधार/अद्यतनीकरण के लिए भेजें।

Our address :
ECHO OF HIS CALL
10, MOHAMMED ABDULLAH 2ND STREET, CHEPAUK, CHENNAI - 600 005, INDIA
PH: (+91-44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766/ Cell: (+91) 98410 71852, 95661 31858 / E.mails: sam@echoofhiscall.org / biblecor@yahoo.co.in
Websites: www.echoofhiscall.org / www.stpaulsmatriculation.com

YOU CAN SEND YOUR DONATIONS BY ONLINE ALSO

Regd. with the RNI under No . 63656/95
Licenced to post without pre-payment
Postal Regn. No. TN/CH (C) /202/21-23
Licence No. WPP. No. TN/PMG(CCR)/WPP-222/21-23
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 9th FEBRUARY, 2022
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957, Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from New No. 8 & 10, Old No. 18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by him at **Echo of His Call Printers**, New No. 8 & 10, Old No. 18 & 19, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**